CHETANA
International Journal of Education
(CIJE)

Peer Reviewed/Refereed Journal
(ISSN: 2455-8729 (E) / 2231-3613 (P))

Impact Factor
SJIF 2023 - 7.286

शोध-पत्र

Prof. A.P. Sharma
Founder Editor, CIJE
(25.12.1932 - 09.01.2019)

Received	Reviewed	Accepted
18.02.2023	26.02.2023	19.03.2023

माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों के पारिवारिक वातावरण का यौन शिक्षा जागरूकता पर प्रभाव का अध्ययन

* डॉ हनुमान सहाय शर्मा

मुख्य शब्द - *पारिवारिक वातावरण , यौन शिक्षा , जागरुकता आदि.*

शोध सार

परंपरागत विचारकों के अनुसार भारतीय समाज के अंतर्गत यौन शब्द घृणित विचारों से सम्बद्ध करके देखा जाता है। वास्तविकता में देखा जाए तो यह शब्द घृणित न होकर सृजन शक्ति से जुड़ा हुआ है। बाल्यावस्था से युवावस्था में प्रवेश करते समय मानव में होने वाले मानसिक , शारीरिक एवं भावनात्मक परिवर्तनों के ज्ञान हेतु दी जाने वाली शिक्षा ही यौन शिक्षा है। पारंपरिक रूप से अधिकांश संस्कृतियों में युवाओं को यौन शिक्षा देना वर्जित माना जाता है। क्योंकि अधिकांश लोगों की मान्यता है कि खुले रूप में इस प्रकार की शिक्षा बालकों को देना उचित नहीं है। भारत में स्कूली शिक्षा के साथ ही यौन शिक्षा को भी पाठ्यक्रम में शामिल करने के कदम उठाए गए लेकिन वर्तमान समय तक भी यौन शिक्षा को अपनाना लोगों को रास नहीं आ रहा है अनेक परिवारों व आस पास के लोगों से भी इस संदर्भ में विचार विमर्श किया गया तो किसी ने अच्छा तो किसी ने गलत बताया। बदलते भारतीय समाज के साथ कई क्षेत्रों में परिवर्तन हुए हैं लोगों के विचारों में भी परिवर्तन आया है । इन परिवर्तनों के साथ ही भारत सरकार स्कूली बच्चों की शिक्षा में यौन शिक्षा को सम्मिलित करना चाहती है। यौन शिक्षा के माध्यम से यौन संक्रमित बीमारियों के साथ–साथ असुरक्षित यौन संबंधों से भी बचा जा सकता है इसलिए विद्यार्थियों की समझ, विचार अथवा सोच का जो कि परिवार से भी प्रभावित होती है का यौन शिक्षा जागरूकता पर क्या प्रभाव पड़ता है इसको वर्तमान में जानना जरूरी हो जाता है।

समस्या का औचित्य

गर्भावस्था से ही बालक में अभिवृद्धि और विकास की प्रक्रिया प्रारंभ हो जाती है जन्म के बाद की विभिन्न अवस्थाओं में बालकों में होने वाले शारीरिक एवं सांवेगिक परिवर्तन उनमें अनेक प्रकार की यौन संबधी जिज्ञासाओं को जन्म देते है। इन जिज्ञासाओं का शमन वैज्ञानिक रूप से संदर्भित संगठित शैक्षणिक सामग्री एवं यौन शिक्षा प्रदान कर ही किया जा सकता है । क्योंकि विद्यार्थी दूरदर्शन कार्यक्रम, उत्तेजक चलचित्र, पत्र –पत्रिकाओ, मोबाइल आदि के माध्यम से उत्तेजना पूर्ण यौन सामग्री एवं परिवार कल्याण के साधनों की विज्ञापन युक्त जानकारी अधकचरे के रूप मे प्राप्त कर रहा है । माध्यमिक कक्षा में अध्यनरत बालक किशोरवय होने के कारण यौन सम्बंधी जानकारी प्राप्त करने हेतु जिज्ञासु रहते है तथा सह शिक्षा के वातावरण में बालक बालिकाओं को यौन सम्बंधी उचित मार्गदर्शन की आवश्कता होती है जो कि यौन प्रवृत्ति के शोधन,यौन रोगों से बचाव , परिवार कल्याण की जानकारी एवं जनसंख्या शिक्षा के लिए आवश्यक होती है । किंतु वास्तव में यह जागरूकता विद्यार्थियों में है या नही? अथवा किस स्तर तक

है ? इस हेतु माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों के पारिवारिक वातावरण का यौन शिक्षा जागरूकता पर प्रभाव का अध्ययन करना समसामयिक एवं औचित्यपूर्ण है ।

समस्या कथन

"माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों के पारिवारिक वातावरण का यौन शिक्षा जागरूकता पर प्रभाव का अध्ययन। "

शोध उद्देश्य

1 माध्यमिक स्तर के शहरी व ग्रामीण विद्यालयों के विद्यार्थियों के पारिवारिक वातावरण का अध्ययन करना।

2 माध्यमिक स्तर के शहरी व ग्रामीण विद्यालयों के विद्यार्थियों की यौन शिक्षा जागरूकता का अध्ययन करना।

3 माध्यमिक स्तर पर विद्यार्थियों के पारिवारिक वातावरण का यौन शिक्षा जागरूकता पर पड़ने वाले प्रभाव का अध्ययन करना।

शोध परिकल्पना

1 माध्यमिक स्तर के शहरी व ग्रामीण विद्यालयों के विद्यार्थियों के पारिवारिक वातावरण में कोई सार्थक अंतर नहीं होता है।

2 माध्यमिक स्तर के शहरी व ग्रामीण विद्यालयों के विद्यार्थियों की यौन शिक्षा जागरूकता में कोई सार्थक अंतर नहीं होता है।

3 माध्यमिक स्तर पर विद्यार्थियों के पारिवारिक वातावरण का यौन शिक्षा जागरूकता पर कोई सार्थक प्रभाव नहीं होता है।

पारिभाषिक शब्दावली

1. **पारिवारिक वातावरण**—बालक अपनी भौतिक,सांस्कृतिक,मानसिक आवश्यकताओं को जिस सामाजिक वातावरण में पूर्ण करता है उसे पारिवारिक वातावरण कहते है।

2. **यौन शिक्षा** — जिस शैक्षिक साधन के द्वारा विद्यार्थियों को अपने विकास के स्तर के अनुकूल यौन भावना सम्बंधी उचित ज्ञान , मानसिक असन्तुलन से सुरक्षा यौन जनित विभिन्न जिज्ञासाओ ,विभिन्न यौन जनक बीमारियों की जानकरियों और उपचार सम्बंधी ज्ञान तथा संतुलित व्यक्तित्व के विकास का प्रशिक्षण मिलता है वही यौन शिक्षा है।

शोध परिसीमन

प्रस्तुत शोध राजस्थान के दौसा जिले तक सीमित है। इसमें माध्यमिक स्तर के शहरी एवं ग्रामीण विद्यालयों के विद्यार्थियों को शामिल किया गया है।

न्यादर्श

1. शोधकर्ता ने प्रस्तुत शोध में सौद्देश्य न्यादर्श के द्वारा दौसा जिले के ग्रामीण एवं शहरी राजकीय विद्यालयों के विद्यार्थियों को लिया गया है।

2. अध्ययन के लिए यादृच्छिक न्यादर्श के आधार पर 160 विद्यार्थियों का चयन किया गया है ।

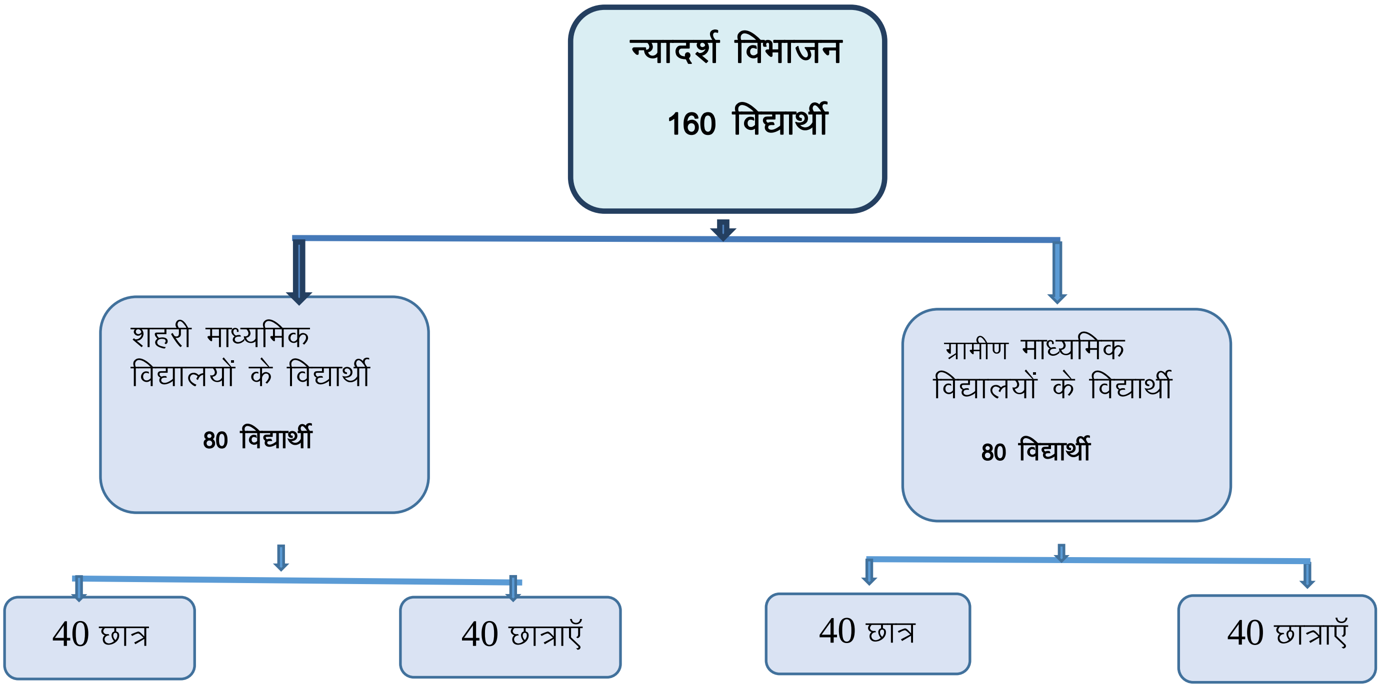

अध्ययन विधियाँ

प्रस्तुत अध्ययन में सर्वेक्षण विधि का प्रयोग किया गया है।

शोध के उपकरण

(1) प्रस्तुत शोध में पारिवारिक पर्यावरण को जानने के लिए डॉ बीना शाह द्वारा निर्मित प्रमापीकृत उपकरण "फैमिली क्लाईमेट स्केल (FCS)–2003 का उपयोग किया गया है।

(2) स्वनिर्मित यौन शिक्षा जागरूकता मापनी का प्रयोग किया गया है।

अध्ययन की सांख्यिकी

प्रस्तुत शोध कार्य में निम्नांकित सांख्यिकी का प्रयोग किया गया है –(1) मध्यमान (2) मानक विचलन (3) टी–परीक्षण (4) सहसम्बंध गुणांक

आंकड़ो का वर्गीकरण , विश्लेषण एवं व्याख्या –

1. माध्यमिक स्तर के शहरी एवं ग्रामीण विद्यालय के विद्यार्थियों के पारिवारिक वातावरण में कोई सार्थक अंतर नही होता है

सारणी संख्या 1

समूह	संख्या	मध्यमान M	मानक विचलन SD	टी परीक्षण का मान	सार्थकता स्तर 0.05=0.01	निष्कर्ष
शहरी विद्यालयों के विद्यार्थी	80	52.88	8.13	1.50	0.05=1.97	स्वीकृत
ग्रामीण विद्यालय के विद्यार्थी	80	54.90	8.88		0.01=2.60	स्वीकृत

$(df = N_1 + N_2 - 2) = 80 + 80 - 2 = 158$

तालिका संख्या 1 में माध्यमिक विद्यालयों के शहरी एवं ग्रामीण विद्यार्थियों के पारिवारिक वातावरण सम्बंधी आंकडे दिए गये है । तालिका के अवलोकन से ज्ञात होता है कि स्वतंत्रता के अंश 158 पर टी.मान 1.50 प्राप्त हुआ है जो 0.05 एवं 0.01 स्तर पर सार्थक टी.मान 1.97 एवं 2.60 से कम है। अतः परिकल्पना " माध्यमिक स्तर के शहरी एवं ग्रामीण विद्यार्थियों के पारिवारिक वातावरण में कोई सार्थक अंतर नही होता है " स्वीकृत की जाती है ।

2. माध्यमिक स्तर के शहरी एवं ग्रामीण विद्यालय के विद्यार्थियों की यौन शिक्षा जागरूकता में कोई सार्थक अंतर नही होता ।

सारणी संख्या 2

समूह	संख्या	मध्यमान M	मानक विचलन SD	टी परीक्षण का मान	सार्थकता स्तर 0.05=0.01	निष्कर्ष
शहरी विद्यालयों के विद्यार्थी	80	31.74	2.59	2.00	0.05=1.97	अस्वीकृत
ग्रामीण विद्यालयों के विद्यार्थी	80	30.94	2.41		0.01=2.60	स्वीकृत

$(df = N_1 + N_2 - 2) = 80 + 80 - 2 = 158$

तालिका संख्या 2 में माध्यमिक विद्यालयों के शहरी एवं ग्रामीण विद्यालय के विद्यार्थियों की यौन शिक्षा जागरूकता सम्बन्धी आंकड़े दिए गये है ˙ तालिका के अवलोकन से ज्ञात होता है कि स्वतंत्रता के अंश 158 पर टी.मान 2.00 प्राप्त हुआ है जो 0.01 के सार्थकता स्तर पर सार्थक टी.मान 2.60 से कम है अतः 0.01 स्तर पर परिकल्पना स्वीकृत होती है। लेकिन 0.05 के सार्थकता स्तर पर टी.मान 1.97 से स्वतंत्रता के अंश 158 पर टी. मान 2.00 प्राप्त हुआ है जो अधिक है। अतः परिकल्पना अस्वीकृत की जाती है। अतः 0.05 के सार्थकता स्तर पर "माध्यमिक स्तर के शहरी एवं ग्रामीण विद्यालय के विद्यार्थियों की यौन शिक्षा जागरूकता के मध्य सार्थक अंतर पाया जाता है।

3 . माध्यमिक स्तर पर विद्यार्थियों के पारिवारिक वातावरण का यौन शिक्षा जागरूकता पर कोई सार्थक प्रभाव नही होता है।

सारणी संख्या 3

समूह	संख्या	मध्यमान M	मानक विचलन SD	टी परीक्षण का मान	सार्थकता स्तर
पारिवारिक वातावरण	160	53.98	9.88	0.40	अल्प धनात्मक सहसम्बन्ध
यौन शिक्षा जागरुकता	160	54.42	9.84		

$(df = N_1 + N_2 - 2) = 80 + 80 - 2 = 158$

सहसंबंध गुणांक वर्गीकरण

$\pm$ 0.91 से 1.00 = अतिउच्च सहसंबंध /प्रभाव

.± 0.71 से 0.90 = उच्च सहसंबंध /प्रभाव

± 0.51 से 0.70 = साधारण सहसंबंध /प्रभाव

± 0.31 से 0.50 = अल्प सहसंबंध /प्रभाव

± 0.30 से 0.30 = नगण्य सहसंबंध /प्रभाव

उपर्युक्त तालिका में विद्यार्थियों के पारिवारिक वातावरण में यौन शिक्षा जागरूकता पर प्रभाव का अध्ययन करने पर निष्कर्ष –

पारिवारिक वातावरण का विद्यार्थियों की यौन शिक्षा जागरूकता पर प्रभाव का मध्यमान क्रमशः 53.98 एव 54 .42 है तथा मानक विचलन क्रमशः 9.88 एवं 9.84 है। सांख्यिकी गणना के आधार पर दोनों चरो के मध्य सहसंबंध गुणांक 0.40 है जो कि अल्प धनात्मक सह सम्बन्ध को दर्शाता है । अतः निराकरणीय परिकल्पना अस्वीकृत की जाती है । अर्थात पारिवारिक वातावरण का यौन शिक्षा जागरूकता पर अल्प प्रभाव पड़ता है । यानि पारिवारिक वातावरण अच्छा होने पर यौन शिक्षा जागरूकता स्तर में सुधार होता है ।

निष्कर्ष

1. दौसा जिले के माध्यमिक स्तर के शहरी एवं ग्रामीण विद्यालय के विद्यार्थियों के पारिवारिक वातावरण में सार्थक अंतर नही पाया गया है । अर्थात दोनों स्तर पर एक समान पारिवारिक वातावरण पाया गया ।

2. दौसा जिले के माध्यमिक स्तर के शहरी एवं ग्रामीण विद्यार्थियों की यौन शिक्षा जागरूकता में सार्थक अंतर पाया गया है । शहरी विद्यालय के विद्यार्थियों में यौन शिक्षा जागरूकता अधिक पाई गई ।

3. दौसा जिले के माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियो के पारिवारिक वातावरण का यौन शिक्षा जागरूकता पर कम मात्रा में धनात्मक सहसंबंध पाया गया है यानि पारिवारिक वातावरण छात्रों के अनुकूल होने से यौन जागरूकता स्तर में सुधार होता है ।

शैक्षिक महत्व

1. प्रस्तुत शोध बालक–बालिकाओ को यौन सम्बन्धी स्वास्थ्य समस्याओं के प्रति जागरूक बनाने में सहायक सिद्ध होगा ।

2. प्रस्तुत शोध किशोरवय विद्यार्थियों के पारिवारिक वातावरण को यौन शिक्षा जागरूकता के अनुकूल बनाने व परिवार के सदस्यों की सोच को बदलने में सहायक होगा ।

3. प्रस्तुत शोध अभिभावकों में भी यौन जागरूकता के प्रति सोच में परिवर्तन लाने एवं पारिवारिक वातावरण को सकारात्मक बनाने में सहायक होगा ।

4. प्रस्तुत शोध महिला–पुरुषो ,छात्र–छात्राओ में स्वास्थ्य एवं यौन शिक्षा के बारे में नवीन दृष्टिकोण विकसित करेगा ।

5. इस प्रकार के शोध कार्य द्वारा स्वास्थ्य क्षेत्र को एक नवीन दिशा प्रदान की जा सकेगी ।

संदर्भ ग्रंथ सूची

1. भार्गव, महेश (1997). आधुनिक मनोवैज्ञानिक परीक्षण एवं मापन हरिप्रसाद, भार्गव, आगरा

2. भटनागर (2005), शैक्षिक एवं मानसिक मापन आर. लाल बुक डिपो, मेरठ

3. बेस्ट, जे. डब्ल्यू. (1983), रिसर्च इन एजूकेशन पेन्टिस हॉल ऑफ इण्डिया, प्रा. लि. नई दिल्ली

4. ढोढियाल, एस. एन. (1972), शैक्षिक अनुसंधान का विधि शास्त्र'' राजस्थान ग्रंथ अकादमी, जयपुर

5. जायसवाल, सीताराम (2012), शिक्षा में निर्देशन एवं परामर्श अग्रवाल पब्लिकेशन।

6. गुप्ता एस. पी. एवं गुप्ता, अल्का (2005) आधुनिक मापन एवं मूल्यांकन शारदा पुस्तक भवन, इलाहाबाद

7. डॉ. वशिष्ट–विद्यालय संगठन एवं भारतीय शिक्षा की समस्याएँ

8. सुखिया, महरोत्रा तथा महरोत्रा आर. एन. (1979). "शैक्षिक अनुसंधान के मूल तत्त्व" विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा

शैक्षिक अनसंधान सर्वे

Buch , M.B. : Fifth survey of Research in Education , 1988-89

संदर्भ शोध साहित्य

शर्मा , मिलन : विद्यार्थियो में यौन शिक्षा के प्रति जागरुकता का अध्ययन (2005–06), जनार्दन राय नागर राजस्थान विद्यापीठ , विश्वविद्यालय, उदयपुर (राजस्थान)

Corresponding Author
** डॉ हनुमान सहाय शर्मा*
एसोसिएट प्रोफेसर
स्व. मूलचन्द मीना शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय ,लालसोट (दौसा)
Email : hanumanji064@gmail.com, Mobile : 8005651090